

कमजोर वर्गों के लिए भारत सरकार द्वारा चलाई गई एक योजना जिसमें शून्य धनराशि पर बैंक आदि में खाता खोला जा सकता है।

**जनन** पुं. (तत्.) 1. संस्कार विशेष 2. उत्पत्ति जन्म, आविर्भाव।

**जनना** सं.क्रि. (तद्.) जन्म देना, पैदा करना, प्रसव करना।

**जननि** स्त्री. (तत्.) दे. जननी।

**जन निर्देश** पुं. (तत्.) दे. जनादेश।

**जननी** स्त्री. (तत्.) 1. जन्म देने वाली 2. माता, माँ, उत्पन्न करने वाली 3. चमगादड़ 4. कुटकी 5. मजीठ 6. जटामाँसी 7. पपड़ी।

**जननेंद्रिय** स्त्री. (तत्.) वह इंद्रिय जिससे संतान की उत्पत्ति होती है; लिंग; भग, योनि, उपस्थ।

**जनपद** पुं. (तत्.) 1. लोगों के निवास का प्रदेश, देश 2. निवासी 3. प्रजा 4. लोग 5. राज्य, आंचलिक क्षेत्र।

**जनपदीय** वि. (तत्.) जनपद से संबंधित।

**जनप्रवाद** पुं. (तत्.) 1. अफवाह 2. किंवदंती 3. लोक निंदा, लोक प्रवाद।

**जनप्रिय** वि. (तत्.) सबका प्यारा, सर्व प्रिय। पु. (तद्.) 1. धनिया 2. सहजन का वृक्ष 3. महादेव, शिव।

**जनप्रियता** पुं. (तत्.) सबके प्रिय होने का भाव, लोकप्रियता।

**जनम** पुं. (तद्.) 1. जन्म, उत्पत्ति 2. जीवन, जिंदगी, आयु मुहा. जनम गँवाना- जन्म नष्ट करना, जीवन बिताना-आजीवन दुख सहना, आजीवन सेवा का संकल्पन करना।

**जनम दिन** पुं. (तद्.) दे. जन्म दिन।

**जनमत** पुं. (तत्.) जनता की राय, लोकमत प्रयो. जनमत संग्रह- जनता की राय का संग्रह।

**जनमजला** वि. (देश.) भाग्यहीन, अभागा, दुर्भाग्यग्रस्त।

**जनमना** अ.क्रि. (देश.) पैदा होना जन्म लेना, उत्पन्न होना सं.क्रि. जन्म देना, पैदा करना।

**जनमपत्री** स्त्री. (तद्.) दे. जन्मपत्री।

**जनमर्यादा** स्त्री. (तत्.) लोकाचार, लोकरीति या लोक मर्यादा।

**जनम संगी** वि. (तद्.) जीवन साथी, पति या पत्नी।

**जनमेजय** पुं. (तत्.) कुरुवंशी राजा परीक्षित के पुत्र का नाम, अर्जुन का प्रपोत्र एवं अभिमन्यु का पौत्र।

**जनयिता** पुं. (तत्.) पिता, बाप।

**जनरंजन** वि. (तत्.) जनता को सुख देने वाला।

**जनरल** पुं. (अं.) 1. आम, साधारण 2. सेना नायक, सेनापति 3. महा उपसर्ग (जैसे- महा नियंत्रक, महा निदेशक)।

**जनलोक** पुं. (तत्.) ऊपर के सप्तलोकों में से पाँचवा लोक।

**जनवरी** स्त्री. (अं.) अंग्रेजी वर्ष का पहला महीना।

**जनवल्लभ** पुं. (तत्.) सफेद रोहित का पेड़, सफेद रोहिड़ा। वि. जनप्रिय, लोकप्रिय।

**जनवाई** स्त्री. (देश.) दे. जनाई।

**जनवाना** सं.क्रि. (देश.) 1. जनना का प्रेरणार्थक रूप 2. प्रसव कराना, जनने में सहायक होना 3. जानना का प्रेरणार्थक रूप।

**जनवास** पुं. (तद्.) 1. लोगों के ठहरने का स्थान 2. बरातियों के ठहरने का स्थान 3. समाज, सभा।

**जनवासना** सं.क्रि. (तद्.) लोगों को ठहरने या बैठने के लिए स्थान देना।

**जनवासा** पुं. (तद्.) जनवास, बरातियों के ठहरने का स्थान, लोगों का आपसी बर्ताव।

**जन व्यवहार** पुं. (तत्.) लोक व्यवहार।

**जनश्रुत** वि. (तत्.) 1. जनता में सुना जाने वाला 2. प्रसिद्ध, विख्यात, मशहूर।

**जनश्रुति** स्त्री. (तत्.) अफवाह, किंवदंति।

**जन शून्य** वि. (तत्.) निर्जन, सुनसान।

**जनसंख्या** स्त्री. (तत्.) आवादी, किसी स्थान पर बसे हुए कुल लोग।